पाठ 6. सुखदा मणि (केवल पढ़ने के लिए)

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में रचनात्मक विचार संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे चीज़ों व घटनाओं को देखने और करने का अभिनव तरीका अपना सकें। सफल और सुखी जीवन को पाने का रहस्य है बुद्धिमत्ता और परिश्रम। दोनों एक साथ मिल जाएँ, तो क्या नहीं हो सकता? जो लोग इन दोनों तत्वों को भुलाकर सुख देने वाली किसी चमत्कारिक मणि को तलाशने में लगे रहते हैं उनके हाथ कभी कुछ नहीं आता।

अध्यापन संकेत

स्वाध्याय के लिए रखे गए पाठ बच्चों को स्वयं पढ़ने हैं। इनमें मौन वाचन की प्रक्रिया के बाद मुखर वाचन और उसमें उच्चारण पक्ष की भी जाँच की जा सकती है। पाठ पर आधारित मौखिक प्रश्न कुछ बच्चों से ही तैयार करवाए जा सकते हैं। फिर उन प्रश्नों के संक्षिप्त मौखिक उत्तर कक्षा के अन्य बच्चों से पूछे जा सकते हैं।